Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 15-2019] CHANDIGARH, TUESDAY, APRIL 9, 2019 (CHAITRA 19, 1941 SAKA)

General Review

कृषि तथा किसान कल्याण विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2017–18 की समीक्षा।

दिनांक 12 मार्च, 2019

क्रमांक 680–कृषि–II(1)–2019/3736.— राज्य सरकार की सहायता से कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरूप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2017–18 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में 114.55 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का 16.5 प्रतिशत (2017–18) भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2016–17 व 2017–18 के दौरान क्रमशः 180.00 लाख टन व 180.32 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 0.32 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ। कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 186.9 प्रतिशत व 58.85 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

वर्ष 2016 के 19.74 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2017 में 19.46 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। रबी 2017–18 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 25.30 लाख हैक्टेयर, 0.32 लाख हैक्टेयर, 0.20 लाख हैक्टेयर, 5.49 लाख हैक्टेयर क्षेत्र रहा जबकि यह वर्ष 2016–17 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 25.58 लाख हैक्टेयर, 0.37 लाख हैक्टेयर, 0.20 लाख हैक्टेयर, 5.10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में लाया गया था। गेहूं का उत्पादन वर्ष 2016–17 के 123.84 लाख टन की तुलना में घटकर 122.63 लाख टन हो गया।

चण्डीगढ़:
दिनांक 28–2–2019.

नवराज सन्धु ,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि तथा किसान कल्याण विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Agriculture and Farmers Welfare Department, Haryana for the Year 2017-2018

The 12th March, 2019

No. 680-Agri-II(1)-2019/3736.— Sustained efforts of the Department of Agriculture and Farmers Welfare backed with support of the State Government and dynamic of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the state. The state which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus state. The state has contributed more than 114.55 lakh tonne food grains to the Central Pool during 2017-18. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the total production in the country during 2017-18. The food grain production achieved during 2016-17 and 2017-18 was 180.00 lakh tonne and 180.32 lakh tonne respectively. Thus there was increase by 0.32 lakh tonne in food grain production as compared to the proceeding year. Efficient land use is a good index for measuring the status of agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 186.9% and 58.85 lakh ha. respectively.

The average yield of various Kharif Crops have mix trend of increase or decrease. As against the area of 19.74 lakh ha was covered during Kharif 2016, an area of 19.46 lakh ha. covered under differently Kharif Crops in 2017. The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseed remained 25.30 lakh ha., 0.32 lakh ha 0.20 Lakh ha. and 5.10 lakh ha. respectively covered during Rabi 2016-17. The production of wheat remained 122.63 lakh tonne during the season as compared to production of 123.84 lakh tonne during Rabi 2016-17.

Chandigarh:
The 28th February, 2019.

NAVRAJ SANDHU,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Agriculture and Farmers Welfare Department.

56970—C.S.—H.G.P., Chd.